सांध्य दैनिक 4PM

समाज के लिए छोटी सेवाएं प्रदान करके हम समाज को बदलते हैं। जैसे दही की एक बूंद जब दूध में डाली जाती है तो उसे दही में बदल देती है।

–महात्रिया रा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 94 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 8 मई, 2025

रोहित का संन्यासः अब कौन होगा... 7 | महाराष्ट्र में फिर उठा मराठा आरक्षण... 3 | योगी सरकार ब्राह्मण विरोधी रवैया... 2

सभी एक सुर में बोले- हम एक हैं

सर्वदलीय बैठक में सरकार के साथ पूरा विपक्ष एकजुट

- » कांग्रेस, राजद, बीजद समेत सभी दल रहे शामिल
- » ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी पाक को मुंहतोड़ जवाब देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई इसमें उसने सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को पाक के खिलाफ किए गए कार्रवाइयों की जानकारी दी। उधर बैठक के बाद सभी दलों ने सरकार के साथ खड़े होने की बात दोहराई। बैठक में प्रमुख दलों के नेताओं ने भाग लिया और इसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जिसके दौरान कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने सरकार को पूर्ण समर्थन दिया है।

सूत्र बता रहे हैं कि सरकार की ओर से कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। वहीं केंद्र ने पड़ोसी देश के साथ चल रहे संघर्ष के बारे में राजनीतिक दलों को जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के दौरान कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है, जबकि सीमा पर स्थिति तेजी से बदल रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और मंत्री जेपी नड्डा और निर्मला सीतारमण ने भाग लिया।

सरकार का खुलासा- ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए 100 आतंकी

सर्वदलीय बैठक में एक बड़ा खुलासा हुआ है। सरकार ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 आतंकवादियों का खात्मा हुआ है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अभी चल रहा है। इस वजह से इससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी को साझा नहीं किया जा सकता।

सभी नेताओं ने अपने सुझाव दिए

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जिन्होंने सभी को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी और सभी नेताओं ने अपने सुझाव दिए। सभी नेताओं ने ऐसे समय में परिपक्वता दिखाई है जब हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। सभी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की और उन्हें बधाई दी, और कहा कि हम सरकार और सशस्त्र बलों का समर्थन करेंगे। हमें कुछ सुझाव भी मिले हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सिर्फ़ शासन करने के लिए सरकार नहीं बनाते।

हमारा पूरा समर्थन : राहुल

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। जैसा कि मल्लिकार्जुन खरगे जी ने कहा, उन्होंने (सरकार ने) कहा कि कुछ चीजें हैं जिन पर हम चर्चा नहीं करना चाहते हैं।

हमने सरकार की बातें सुनीं सब सरकार के साथ : खरगे

कांग्रेस सांसद और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बैठक में हमने सुना कि उन्हें (केंद्र को) क्या कहना था। उन्होंने यह भी कहा कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे के कारण कुछ गोपनीय जानकारी साझा नहीं कर सकते। हमने उनसे कहा कि हम सब सरकार के साथ हैं।

राजनीतिक दल जनता की आवाज : रिजिजू

किरेन रिजिजू ने कहा कि राजनीतिक दल जनता की आवाज़ होते हैं और नेताओं का एक स्वर में बोलना। मुझे लगता है कि यह भी हमारी सफलताओं में से एक है। ऑपरेशन सिंदूर की पहली स्ट्राइक के बाद जो चल रहा है, उसके बारे में बताना ठीक नहीं है, और इसीलिए अधिकारियों को मीटिंग में नहीं बुलाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और मंत्री जेपी नड्डा और निर्मला सीतारमण ने भाग लिया।

भारत सरकार और सेना जवाब देने में सक्षम : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने कहा ने पहले कहा कि बैठक में भारतीय सेना द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में हमें जानकारी दी जाएगी। कल जिस तरह से उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद मसूद अजहर चिल्लाता हुआ और यह कहता हुआ

नजर आया कि वह धमकी भरा प्रेस रिलीज जारी करेगा, उससे पता चलता है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर पोषित और पोषित आतंकी संगठनों को बड़ा सबक सिखाया है.।

भारत अलर्ट, पाकिस्तान में धमाकों की गूंज

- » सीरियल ब्लॉस्ट से सहमा लाहौर
- » ईरान के विदेश मंत्री पहुंचे भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के पाकिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान में दहशत का माहौल है। ताजा खबर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाहौर के गोपाल नगर और नसीराबाद इलाके में वाल्टन रोड पर वाल्टन एयरपोर्ट के पास हुए सीरियल बम धमाकों से लाहौर दहल गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा अधिकारियों ने इसे आतंकी हमला बताया है।

बम धमकों को तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और बलूच अलगाववादी संगठनों से जोड़ कर देखा जा रहा है। भारत की एयरस्ट्राइक के बाद हुए इन धमकों कि गिरफ्त में पूरा पाकिस्तान है। एक दिन पहले ही भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इसके मद्देनजर जंग की आशंकाएं बढ़ गई है। इस बीच भारत ने भी अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर सफलतापूर्वक लांच किये जाने के बाद करीब 430 नागरिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। यह देश की कुल शेड्यूल उड़ानों का करीब 3 प्रतिशत है।

इसके साथ ही 27 एयरपोर्ट्स 10 मई तक बंद रखने का एलान किया गया है। फ्लाइटराडर24 प्लेटफॉर्म के फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, पाकिस्तान और भारत के पश्चिमी गलियारे का एयरस्पेस का ज्यादातर हिस्सा नागरिक विमानों से फ्री था।

इन एयरपोर्ट को बंद किया गया

जिन एयरपोर्ट्स को बंद रखा गया है, उनमें श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, बठिंडा, हलवारा, पठानकोट, भुंतर, शिमला, गग्गल, धर्मशाला, किशनगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, मुंद्रा, जामनगर, राजकोट, पोरबंदर, कांडला, केशोद, भुज, ग्वालियर और हिंडन शामिल हैं। एयरलाइन ने कहा, हमारे सभी प्रतिनिधि सक्रिय रूप से ग्राहकों की सहायता कर रहे हैं, कुछ मामलों में संपर्क होने में अपेक्षा से अधिक समय लग सकता है। कृपया निश्चिंत रहें, हम आपकी सहायता के लिए यहां हैं।

अमेरिका ने मदद की पेशकश की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चिंता जताई है और कहा है कि वह इस मामले में मदद के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ता हुआ यह झगड़ा जल्द से जल्द रुक जाए। भारत-पाकिस्तान मिलकर आपस में मामला सुलझाएं। ट्रंप ने कहा है कि इस विषय पर अगर मैं कुछ मदद कर सकता हूं तो मैं तैयार हूं। यह बहुत दुखद है। मेरी स्थिति यह है कि मैं दोनों के साथ मिलकर काम करता हूं।

महत्वपूर्ण है ईरानी विदेश मंत्री की यह यात्रा

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची की भारत यात्रा अतिमहत्वपूर्ण है। वह ऐसे समय में भारत पहुंचे हैं जब पाक–भारत तनाव चरम पर है। उनका ये दौरा भारत और ईरान के बीच राणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेगा। भारत के दौरे पर आने से कुछ दिन पहले अराघची पाकिस्तान के दौरे पर पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी अराघची का जोरदार स्वागत किया और उनके दौरे के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी अराघची की जोरदार स्वागत किया और उनके दौरे के महत्व पर जोर दिया। अराघची यात्रा के दौरान 20वीं भारत-ईरान संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे और हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। विदेश मंत्री से वार्ता के बाद अराघची राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे।

योगी सरकार ब्राह्मण विरोधी रवैया अपना रही है : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- मुख्यमंत्री को हाता नहीं भाता, तिलक नहीं लुभाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया व यूपी के पूर्व अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पर ब्राह्मण विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार द्वारा ब्राह्मण समाज को निशाना बनाये जाने का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, उन्हें हाता नहीं भाता, तिलक नहीं लुभाता। क्योंकि आप विरोधी हैं और उन्हें लगता है कि आप उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर कर सकते हैं इसीलिए सब राजनीतिक कार्रवाई हो रही है। याद कीजिए वह समय जब कानपुर देहात में एक परिवार को जिंदा जला दिया गया था जब उस परिवार का बेटा न्याय मांगने गया तो उसे सर्दी में पुलिस ने कपड़े उतारकर पीटा था। अपमानित किया था।

अखिलेश यादव ने कहा,हमें पता चला कि पुलिस पैसे मांग रही थी। यह पहली बार नहीं है जब पुलिस ने ऐसी कार्रवाई की हो, मुझे याद है कि जौनपुर में एक बच्चे ने केवल टिकटॉक वीडियो बनाया था, लेकिन पुलिस को यह पसंद नहीं आया तो वह उसे ले गई, पुलिस ने उसके पिताजी को बुलाया और कहा कि इतने पैसे चाहिए, नहीं दोगे तो आपका बेटा नहीं छोड़ा जाएगा उसे इतना पीटा कि उसकी जान चली गई। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, जब आप विधानसभा में बोलेंगे कि ठोक दो। जब आप पुलिस से राजनीतिक काम लेंगे। जब आप अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल भेजने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करेंगे। जब आजम खान साहब को जेल भेजा गया, तो इससे चीजें स्पष्ट हो जाती हैं''।

वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं भाजपाई

अखिलेश यादव ने भ्रष्टाचार तथा अन्य आरोपों में जेल में बंद पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का जिक्र किया। उन्होंने कहा, प्रजापति अभी जेल में हैं, उनके परिवार के लोग मुझसे मिले और कहा की वे बड़े संकट में हैं, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने हमें बुलाया और आश्वासन दिया है कि प्रजापति जी के सब मुकदमे वापस हो जाएंगे, केवल हमें वोट दे दो। सोचिये, प्रजापति जी के परिवार ने उन्हें वोट दे दिया लेकिन क्या प्रजापति जेल से छूट गए? यह लोग वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

'योगी अब निवर्तमान मुख्यमंत्री हैं'

सीएम योगी आदित्यनाथ को निवर्तमान मुख्यमंत्री (आउटगोइंग सीएम) बताते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा,वह निवर्तमान मुख्यमंत्री हैं, इसीलिए अन्याय ज्यादा हो रहा है। दो उपमुख्यमंत्री भी हैं.' उन्होंने कहा, ब्राह्मण उत्पीड़न का सवाल हम लोगों ने कोई पहली बार नहीं उठाया है।

सपा हर पीड़ित और दुखी व्यक्ति के साथ

उन्होंने कहा, हम अपने सभी लोगों (ब्राह्मण समाज) को भरोसा दिलाते हैं की पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) में आप भी शामिल हैं, आप जब कभी अपना नाम संक्षेप में लिखते होंगे तो 'पीडी' लिखते होंगे, तो आप तो पहले से ही पीडीए में हैं. हम हर पीड़ित और दुखी व्यक्ति के साथ हैं, हर व्यक्ति जो अपमानित हो रहा है, हम उसके साथ हैं. हम सब मिलकर इस सरकार को हटाने का काम करेंगे।

प्रदेश में हिरासत में मौत की घटनाएं सबसे ज्यादा

पूर्व मुख्यमत्री ने कहा, यह सरकार अन्याय कर रही है, उसे जातियों से लेना-देना नहीं है, जो भी उसके खिलाफ है उसके खिलाफ कार्रवाई कर दी जाएगी। श्री यादव ने आरोप लगाते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में हिरासत में मौत की घटनाएं सबसे ज्यादा हो रही हैं, पुलिस को आखिर कौन इसकी आजादी दे रहा है?।

भारत की शांति को उसकी कमजोरी समझना भूल : गोरा

» कारी ने कहा- हम भारतीय मुसलमान हैं जब भी देश पर संकट आता है, हम सबसे आगे खड़े होते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में स्थित कुछ आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर बड़ी कार्रवाई की है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद यह जवाबी कदम उठाया गया। इसी बीच देवबंद के जाने-माने इस्लामी विद्वान और जमीयत दावातुल मुस्लिमीन के संरक्षक मौलाना कारी इसहाक गोरा ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा, हिंदुस्तान एक अमन पसंद मुल्क है, मगर जब कोई हमारी सरहदों को लांघे या मासूम नागरिकों को निशाना बनाए, तो जवाब देना जरूरी हो जाता है, भारतीय सेना की कार्रवाई एक साहसिक और जिम्मेदार कदम है, जो देश की हिफाजत के लिए जरूरी था।

मौलाना गोरा ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत की शांति को उसकी कमजोरी समझना भूल होगी। हमें मजबूर न किया जाए कि हम अपनी मर्जी से जवाब देने पर उतर आएं. अमन की बात हमारी मजबूरी नहीं, हमारी सोच है. लेकिन सरहदों की हिफाजत और नागरिकों की जान की कीमत पर कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी भी धर्म या कौम की पहचान नहीं है, यह इंसानियत का दुश्मन है और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए. कारी गोरा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले को बेहद अफसोसनाक और दुखद बताया, जिसमें देश के कई जवान और नागरिक शहीद हुए। उन्होंने आगे कहा, हम भारतीय मुसलमान हैं, और इस देश की मिट्टी से हमारा रूहानी रिश्ता है,जब भी देश पर संकट आता है, हम सबसे आगे खड़े होते हैं, हमें अपनी सेना पर गर्व है, और हम दुआ करते हैं कि अल्लाह उन्हें हर बुरे इरादे से महफूज रखे।

टीआरएफ के खिलाफ चलाया जाए अभियान : ओवैसी

» एआईएमआईएम चीफ की सरकार से मांग-पाकिस्तान को ग्रे-लिस्ट डालने का भी हो प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बादए आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवेसी का बड़ा बयान सामने आया है।

असदुद्दीन औवेसी ने कहा कि मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। मैंने यह भी सुझाव दिया कि हमें रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के खिलाफ वैश्विक अभियान चलाना चाहिए। मैंने यह भी सुझाव दिया कि सरकार को अमेरिका से अनुरोध करना चाहिए कि वह इसे आतंकवादी संगठन के रूप में नामित करे। हमें एफएटीएफ में पाकिस्तान को ग्रे-लिस्ट करने के लिए भी प्रयास करना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि सरकार के पास कश्मीर में पाकिस्तान से भिड़ने और कश्मीरियों को अपनाने का सुनहरा अवसर है। पुंछ में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उन्हें आतंकवादी पीड़ित घोषित किया जाना चाहिए और सरकार को उन्हें मुआवजा देना चाहिए तथा उनके लिए घर मुहैया कराने चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान के युद्धविराम उल्लंघन के कारण उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया है। मेरे लिए (ऑपरेशन सिंदूर से) सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि भवालपुर और मुरीदके - दो ज्ञात आतंकवादी स्थल नष्ट कर दिए गए। कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने बताया है कि बठिंडा में एक राफेल गिरा है। भारतीय वायु सेना को इसका खंडन करना चाहिए, क्योंकि इससे हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल नहीं गिरना चाहिए।

सीएम हेमंत समेत नेताओं ने दी बधाई

» राज्यपाल संतोष गंगवार ने जताई खुशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश भर में आक्रोश देखा जा रहा था। इसी कड़ी में भारतीय सेना के द्वारा पराक्रम की प्रस्तुति देते हुए छह मई को देर रात लगभग 1.50 पाकिस्तान में जोरदार हमला की गई, जिसमें आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया।

बताया जा रहा है कि भारत द्वारा मुजफ्फराबाद, बहावलपुर, मुरीदके, सियालकोट, कोटली, बाघ, गुलपुर, भिंबेर और शकरगढ़ में आतंक के ठिकानों को निशाना बनाया गया है। सेना के इस कार्य के बाद देश के आम नागरिक उत्साहित हैं। वहीं, जनप्रतिनिधि भी एकजुटता दिखाते हुए भारतीय सेना के कार्य की सहराना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्यपाल संतोष गंगवार ने ट्वीट के जरिए देश के सेना को बधाई दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स में जय हिंद लिखकर खुशी जाहिर की। देर रात सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया गया, जिसको लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने एक्स हैंडल के माध्यम से जय हिंद लिखकर सेना के शौर्य के प्रति अपनी भावनाएं प्रकट की। भारतीय सेना के कार्रवाई पर मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की।

राज्यपाल बोले भारत माता की जय

लगभग 15 दिनों के बाद भारतीय सेना के द्वारा पाकिस्तान और आतंकवादियों पर जो प्रहार किया गया, इससे आम से लेकर खास सभी खुश हैं। राज्यपाल संतोष गंगवार ने अपने एक्स हैंडल में भारत माता की जय लिखकर सेना का धन्यवाद किया। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि आतंकिस्तान की कमर तोड़ दी गई है। देश की बेटियों के सिंदूर का बदला ले लिया गया है। आज सारी दुनिया ने देखा कि भारत अपने ऊपर हुए ऐसे किसी भी हमले को बर्दास्त नहीं करेगा।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री बोले- सिंदूर उजाड़ने वालों को मुंहतोड़ जवाब

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह नया भारत है।जहां आप जैसा चाहते हैं, वैसा ही होता है। पहलगाम में हमारी बहन-बेटियों का सिंदूर उजाड़ने, भारत की तरफ आंख उठाने का दुस्साहस करने वालों को मुंहतोड़ जवाब मिला, न्याय हुआ। जय हिंद! जय हिंद की सेना!! भारत माता की जय!!पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भारत का जवाब है। भारतीय सेना ने जिस तरह से साहसिक कदम उठाते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है, इस पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि सेना की कार्रवाई से पूरे देश में गर्व का माहौल है। अगर भारत के नागरिकों की सुरक्षा और संप्रभुता पर खतरा आता है तो भारत का प्रतिक्रिया देना लाज़मी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता, कमजोर लोगों को चुकानी पड़ती है कीमत : महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता है तो बेजुबान और असहाय लोगों को असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है। महबूबा की यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के मद्देनजर आई है।

जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री रह चुकी महबूबा ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पहलगाम में हुए भयावह हमले के बाद, मुझे लगा कि मैंने त्रासदी की गहराई देख ली है। लेकिन आज जब मैंने भारत-पाकिस्तान तनाव की गोलीबारी में मारे गए मासूम बच्चों की भयावह तस्वीरें देखीं, तो मुझे एहसास हुआ कि अभी और भी बुरा समय आने वाला है। बुधवार को जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम गांवों को निशाना बनाकर पाकिस्तानी सेना ने कई वर्षों में सबसे भीषण गोलाबारी की और मोर्टार दागे, जिसमें चार बच्चों और एक सैनिक सहित कम से कम 13 लोग मारे गए जबकि 57 घायल हो गए।

महाराष्ट्र में फिर उठा मराठा आरक्षण का मुद्दा

महायुति में बिखराव की कोशिश में यूबीटी शिवसेना

» जरांगे पर बरसे एनसीपी नेता भुजबल

» शिवाजी को लेकर भी रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। जाति जनगणना का शोर अभी थमा नहीं है। पर राज्यों में अलग-अलग आरक्षण के मुद्दे हवा में उछलते रहते है। राजस्थान हरियाणा में जाटों का आरक्षण तो महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण पर सभी सियासी दल अपनी जुबान तेज किए रहत हैं। वहीं कही न कहीं आपस में इसको लेकर मनमुटाव भी यदाकदा सामने आते रहते है।

महाराष्ट्र में आरक्षण कार्यकर्ता जरांगे निशाने पर आ गए हैं। राकांपा के नेता छगन भुजबल ने कहा उनकी वजह से मराठा समुदाय को नुकसान पहुंचा है। जरांगे के फिर से सक्रिय होने के बारे में पूछे जाने पर भुजबल ने कहा, ''उनकी सक्रियता से कोई लाभ नहीं हुआ है। वास्तव में उन्होंने मराठा समुदाय को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने राज्य भर के गांवों में शांति भंग की है। उधर इन सबके बीच सियासी माहौल भी बना हुआ है।

शिवाजी पर रूक-रूक होती है तकरार

महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक व्हॉट्सऐप समूह में मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर एक व्यक्ति से स्थानीय लोगों ने मारपीट की और बाद ने पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना 28 अप्रैल को नालासोपारा पूर्व के विजय नगर इलाके में एक आवासीय सोसाइटी की है जहां आरोपी अक्षयदीप भरतकुमार विसवाडिया को पीटा गया। पुलिस के अनुसार, गुजराती और मराठी पहचान को लेकर एक व्हॉट्सऐप समूह पर तीखी बहस जारी थी और इसी दौरान आरोपी ने शिवाजी महाराज के बारे में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां कीं।अधिकारी ने बताया कि इससे नाराज स्थानीय लोगों के एक समूह ने विसवाडिया को घेर लिया और कथित तौर पर उससे मारपीट करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें व्यक्ति की पिटाई की जा रही है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विसवाडिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य), 356 (2) (मानहानि) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

गांवों में सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश : भुजबल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री छगन भुजबल ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पर तीखा हमला करते हुए उन पर उस समुदाय को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया, जिसके हितों की रक्षा का दावा वे करते हैं। साथ ही उन्होंने गांवों में सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का भी आरोप लगाया। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रमुख नेता भुजबल ने महाराष्ट्र में लंबे समय से विलंबित स्थानीय निकाय चुनाव कराने और उनमें ओबीसी के लिए आरक्षण देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 'किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है।'जरांगे के फिर से सक्रिय होने के बारे में पूछे जाने पर भुजबल ने कहा, ''उनकी सक्रियता से कोई लाभ नहीं हुआ है। वास्तव में उन्होंने मराठा समुदाय को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने राज्य भर के गांवों में शांति भंग की है।''जरांगे ने मराठा आरक्षण के लिए एक सप्ताह पहले रा'य सरकार के खिलाफ फिर से विरोध प्रदर्शन करने के लिए अगस्त के आखिरी सप्ताह में मुंबई तक रैली निकालने की घोषणा की थी। पिछले दो वर्षों में कई बार भूख हड़तालें कर चुके जरांगे ओबीसी श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं।

महायुति पर डोरे डाल रही महा विकास अघाड़ी

महायुति के सत्तारूढ़ गठबंधन में भाजपा, पवार की एनसीपी और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना शामिल है। कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) विपक्षी ब्लॉक एमवीए के घटक हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता विनायक राउत ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, तो उन्हें महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में वापस लौटना चाहिए। राउत ने जोर देकर कहा कि पवार सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। महायुति के सत्तारूढ़ गठबंधन में भाजपा, पवार की एनसीपी और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना शामिल है। कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) विपक्षी ब्लॉक एमवीए के घटक हैं। राउत ने कहा,अजित पवार जिस गठबंधन में हैं, उसमें वे कभी सीएम नहीं बन सकते। अगर उन्हें सीएम बनना है, तो उन्हें एमवीए में वापस आना चाहिए। सीएम बनने का सपना देखने के बजाय, उन्हें ऐसी जगह आना चाहिए, जहां उन्हें वह अवसर मिल सके। राउत वर्तमान में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के सचिव के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने पिछले दो कार्यकालों में लोकसभा में महाराष्ट्र के रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी किया है। 2023 में, पवार शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से अलग हो गए और आठ अन्य एनसीपी नेताओं के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली कैबिनेट में शामिल हो गए। विभाजन के बाद, उन्होंने पार्टी के नाम और उसके घड़ी चिह्न पर नियंत्रण हासिल कर लिया। अजित पवार महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक डिप्टी सीएम रहने वाले व्यक्ति माने जाते हैं, जिन्होंने पहले छह बार इस पद पर कब्जा किया है। उन्होंने अतीत में अपनी मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षाओं के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की है। पिछले साल के विधानसभा चुनावों में, भाजपा (132 सीटें), एनसीपी (41 सीटें) और शिवसेना (57 सीटें) वाले महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीटें जीतकर मजबूत बहुमत हासिल किया, जबकि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को सिर्फ 46 सीटें मिलीं। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के बीच शीत युद्ध चल रहा है और दोनों नेता जानबूझकर एक-दूसरे के कार्यक्रमों में भाग लेने से बच रहे हैं।

डोलेगा नीतीश का सिंहासन : आरसीपी सिंह और पीके की जोड़ी बिगाड़ेगी खेल

» वर्तमान में जेडीयू की स्थिति मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के यूं तो अपने कई रंग दिख ही रहे थे। पर, इस बार इस चुनाव में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर ज्यादा बतकही हो रही है वह इसलिए कि यह जंग केवल सत्ता हासिल करने का जंग नहीं रह गया। यह जंग नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा से जुड़ गया। नीतीश कुमार के संकल्प से जुड़ गया है। और साथ ही इस बात के लिए भी महत्वपूर्ण हो गया कि नीतीश कुमार इस बार के चुनाव में वर्ष 2010 की वैभवशाली जीत के साथ पार्टी को नंबर वन बनाने का टास्क अपने पार्टी के रणनीतिकारों के कंधे पर सौंप दी है।

वर्ष 2005 (अक्टूबर नवंबर) के चुनाव में जेडीयू ने 139 सीटों पर चुनाव लड़कर 88 सीटों पर जीत का परचम लहराया था। वर्ष 2010 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने कुल 141 विधान सभा सीटों पर चुनाव लड़कर 115 सीटों पर जीत हासिल की थी। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 101 सीटों पर लड़कर 71 सीटों पर जीत हासिल की थी। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में पार्टी 115 सीटों पर लड़ी और खराब प्रदर्शन करते हुए 43 सीटों पर जीत दर्ज की।

सबसे बड़ी पार्टी का सवाल

राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगर इस बार विधानसभा चुनाव में नंबर वन की पार्टी बनने का संकल्प लिया है, तो वर्ष 2010 के चुनाव में प्राप्त 115 सीटों से ज्यादा हासिल करना चाहते हैं। और इसके लिए नीतीश कुमार ने जिम्मेदारी भी तय कर दी है। इसकी जिम्मेदारी कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और पूर्व के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के कंधों पर तो सौंपी है। संगठन के कई पदाधिकारी को भी निर्देश दिया है। दरअसल, यह नीतीश कुमार का चुनावी संकल्प है। मगर कार्यकर्ता या फिर पदाधिकारी के स्तर पर एक संवेदना यह काम कर रही है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में होने वाले विधानसभा चुनाव परिणाम को विशाल सफलता के साथ उन्हें तोहफे के तौर पर 115 सीटों से ज्यादा जीत के रूप में दे।

रुकावट ही रुकावट

वर्ष 2010 वाली स्थिति को पार पाना नीतीश कुमार भी असंभव ही मानते होंगे। इस रस्ते पर कम बाधाएं नहीं है। सबसे बड़ी बाधा तो गठबंधन दलों के बीच हिस्सेदारी का खेल है। एनडीए के भीतर पांच दल हैं। इनके बीच संभावित सीटों की हिस्सेदारी के बाद जेडीयू को अधिक से अधिक 100 सीटें मिलेंगी। वर्ष 2010 में जदयू 141 सीटों पर लड़कर 115 सीटों पर जीत हासिल की थी। दूसरी बड़ी बाधा नीतीश कुमार के विरोध में इस चुनाव में कई नई पार्टियां खड़ी हैं।

विरोधियों ने की घेराबंदी

ध्यान रहे कि नीतीश कुमार के रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी, नीतीश कुमार की ही पार्टी के अध्यक्ष रहे आरसीपीसिंह की पार्टी, सुशासन के नाम पर शिवदीप लांडे की पार्टी, सब के सब नीतीश कुमार के वोट बैंक पर ही निशाना साध रखे हैं। पहले एक चिराग पासवान की पार्टी ने जेडीयू को 115 से 43 सीटों पर ला कर खड़ा कर दिया। अब इतनी तमाम पार्टियों का असर इस विधानसभा चुनाव में देखा जाना शेष है। पार्टी के भीतर गुटबाजी का भी असर संभावित है। अतिपिछड़ा ,पिछड़ा और दलित वोट की सेंधमारी में राजद कितना सफल होता है, इसका असर भी दिखेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

टॉप में आने का दबाव छात्रों को दे रहा तनाव

“ मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि माता-पिता को चाहिए की अपने बच्चों पर टॉप में आने का दबाव न बनाएं। इस तरह से दबाव बनाना छात्रों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है छात्रों का अपनी क्षमता के अनुसार ही पढ़ाई करने देना चाहिए। अमूमन देखने में आता है टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है।

देश में अभी कई राज्यों के शिक्षा बोर्डों के परीक्षा परिणाम आ रहे हैं। इन्ही परिणामों के साथ बहुत से छात्रों की आत्महत्या करने की खबरें भी आ रही हैं। ज्यादातर आत्महत्या के कारणों में पता चलता है की अभ्यर्थी को उसके मन मुताबिक अंक हासिल नहीं हुए और व डिप्रेशन में जाकर आत्मघाती कदम उठा लेता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि माता-पिता को चाहिए की अपने बच्चों पर टॉप में आने का दबाव न बनाएं। इस तरह से दबाव बनाना छात्रों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है छात्रों का अपनी क्षमता के अनुसार ही पढ़ाई करने देना चाहिए। अमूमन देखने में आता है टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं।

इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पर्यावरण को ध्यान में रखकर भी कर सकते हैं विकास

सुनीता नारायण पर्यावरणविद्

विकास भारत जैसे देश के लिए बड़ी चुनौती है। यह विकास समावेशी और टिकाऊ भी होना चाहिए। अगर हम इसे हासिल करते हैं, तो हम एक बेहतरीन लक्ष्य पर पहुंच जाएंगे- स्थानीय प्रदूषण को कम करने और ग्रीन-आजीविका को बढ़ावा देने के लिए हमारे कदम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को भी कम करेंगे। इस तरह, हमारा राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) पारस्परिक-लाभों पर आधारित होगा। दूसरे शब्दों में अगर सही तरीके से विकास किया जाए, तो वह जलवायु परिवर्तन के संकट का भी सामना कर सकता है। दुनिया के दूसरे तमाम देशों की तरह भारत को भी विकास करना है। इसका मतलब है लाखों लोगों को रोजगार देना, उन्हें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आवास प्रदान करना और ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ाना।

विकास के लिए हमें ऐसी कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जो सभी की जरूरतों को पूरा करे। इसके लिए रणनीति में बदलाव की जरूरत है। हम पूंजी और संसाधनों की प्रचुरता वाले मार्ग का जोखिम नहीं उठा सकते, क्योकि वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है और समाज में भी ? असमानता को बढ़ाता है। हम पहले प्रदूषण फैलाने और फिर उसकी सफाई करने के पश्चिमी देशों के दृष्टिकोण को नहीं अपना सकते। हमारे पास नुकसान की मरम्मत के लिए वित्तीय साधन भी नहीं हैं। ऐसे में हमें विकास की अपनी अवधारणा को फिर से आविष्कृत करना होगा और भारत में कई नीतियों ने यही किया है। यह भारत जैसे देशों के लिए अनूठा अवसर है कि वह विकास को जलवायु-कार्रवाई के खिलाफ खड़ा करने के बजाय उसे विकास के लिए बनाई गई नीतियों के भीतर समाहित कर सके। उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि हम अपनी मोबिलिटी के तौर-तरीकों को बदले बिना वायु प्रदूषण को ठीक नहीं कर सकते, क्योंकि निजी वाहन- वो चाहे जितने भी स्वच्छ क्यों न हों- सड़क की जगह घेरते हैं और प्रदूषण और भीड़भाड़ को बढ़ाते हैं।

पश्चिम ने निजी वाहनों को सब्सिडी देने और उनका विद्युतीकरण करने का रास्ता अपनाया है। हमारे पास एक और उपाय है, जो हमारे आवागमन को फिर से परिभाषित करता है। यह है इलेक्ट्रिक बसों और पैराट्रांजिट और दोपहिया वाहनों जैसे किफायती परिवहन में निवेश करना।

दुनिया के दूसरे तमाम देशों की तरह भारत को भी विकास करना है। इसका मतलब है लाखों लोगों को रोजगार देना, उन्हें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आवास प्रदान करना और ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ाना। विकास के लिए हमें ऐसी कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जो सभी की जरूरतों को पूरा करे। इसके लिए रणनीति में बदलाव की जरूरत है। हम पूंजी और संसाधनों की प्रचुरता वाले मार्ग का जोखिम नहीं उठा सकते, क्योकि वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है और समाज में भी ? असमानता को बढ़ाता है। हम पहले प्रदूषण फैलाने और फिर उसकी सफाई करने के पश्चिमी देशों के दृष्टिकोण को नहीं अपना सकते।

भारत का एनडीसी लो-कार्बन वाले सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाने के बारे में होना चाहिए, न कि केवल इलेक्ट्रिक कारों की गिनती करने के बारे में। यह नीति हवा को शुद्ध रखने से प्रेरित है, लेकिन इसमें जलवायु परिवर्तन से निपटने का अतिरिक्त लाभ भी है। उद्योग-जगत से एक उदाहरण देखें = हमारे सीमेंट उद्योग ने फ्लाई ऐश का उपयोग करना शुरू कर दिया है- कार्बन को कम करने के लिए नहीं, बल्कि कचरे को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करने, चूना-पत्थर का विकल्प चुनने और ऊर्जा की लागत कम करने के लिए। लो-कार्बन वाले औद्योगीकरण का भविष्य इसी तरह के समाधानों में निहित है, जिनसे सभी को लाभ हो। जैसे कि लौह अयस्क स्लैग से लेकर बायोमास और कचरे से प्राप्त होने वाले ईंधन तक- ये सभी कोयले और अन्य जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने और दक्षता में सुधार के लिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें ग्रीन-इकोनॉमी के विचार को फिर से तैयार करना होगा।

हम ग्रीन-एम्प्लॉयमेंट की बातें नहीं कर सकते, क्योंकि हम जानते हैं कि रिन्यूएल ऊर्जा या ईवी को अपनाने का मतलब आजीविका के अधिक अवसर नहीं होगा। वास्तव में, हाल ही में आई खबरों से पता चलता है कि इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस को अपनाने के कारण यूके में हजारों नौकरियां चली गई हैं। लोग अगर जलवायु-परिवर्तन के बारे में चिंतित हैं तो वे अपनी आजीविका के बारे में भी चिंता करते हैं। भारत के लिए जरूरी है वह अपनी अर्थव्यवस्था को ऐसे तैयार करे कि स्थानीय संसाधनों का उपयोग स्थानीय आजीविका के लिए हो।

सुधार का मार्ग खोलती सुप्रीम कोर्ट की पहल

के.एस. तोमर

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। जिसका मकसद न केवल न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया में गुणवत्ता और पारदर्शिता यकीनी बनाना है, बल्कि राजनीतिक हस्तक्षेप और भाई-भतीजावाद सीमित करने का भी प्रयास है। हाईकोर्ट्स द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति हेतु भेजे गए नामों पर विचार करते समय अब सुप्रीम कोर्ट में इंटरव्यू प्रक्रिया को अनिवार्य किया गया है, जो लीक से हटकर नया कदम है। परंपरा रही कि उच्च न्यायालयों द्वारा भेजी गई अनुशंसाएं सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा प्राय: बिना व्यक्तिगत मूल्यांकन के स्वीकृत कर ली जाती थीं। परंतु अब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों ने यह परंपरा तोड़ते हुए व्यक्तिगत इंटरव्यू अनिवार्य किया है, जो अनुशंसित अधिवक्ताओं की न्यायिक नियुक्तियों से पूर्व एक अतिरिक्त मूल्यांकन की परत जोड़ेगा।

यह फैसला न्यायपालिका की चयन प्रक्रिया में परिपक्वता का संकेत है, वहीं उस आलोचना का उत्तर भी है जो कॉलेजियम प्रणाली की पारदर्शिता व जवाबदेही की कथित कमी को लेकर होती रही है। वर्ष 1993 के दूसरे न्यायाधीश केस और 1998 के तीसरे न्यायाधीश केस के फैसलों के तहत स्थापित कॉलेजियम प्रणाली ने न्यायपालिका को कार्यपालिका से स्वतंत्रता तो दिलाई, परंतु इसके भीतर पारदर्शिता व जवाबदेही की संरचनात्मक कमी के आरोप सामने आते रहे। आलोचकों के मुताबिक, इस प्रक्रिया में अक्सर व्यक्तिगत संबंधों और सिफारिशों को महत्व दिया जाता है, जिससे योग्यता से समझौता होता है। अब जब इंटरव्यू प्रक्रिया को जोड़ा गया है, तो यह केवल दस्तावेजों और बंद कमरों में होने वाली चर्चा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उम्मीदवारों के व्यक्तित्व, विचारशीलता और न्यायिक मूल्यों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन संभव होगा। इंटरव्यू एक ऐसा सशक्त उपकरण है जो केवल विधिक ज्ञान ही नहीं बल्कि उम्मीदवार की नैतिकता , तर्कशक्ति , संवेदनशीलता और न्यायिक दृष्टिकोण का भी मूल्यांकन कर सकता है।

अमेरिकी सीनेट न्यायिक समिति द्वारा जजों के साक्षात्कार या ब्रिटेन के ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन की प्रक्रिया की तरह यह कदम भारत को वैश्विक मानकों की दिशा में आगे ले जाता है। पारंपरिक प्रक्रिया में सीवी और सिफारिश-पत्रों के जरिये उम्मीदवारों का आकलन किया जाता था, जो अक्सर वास्तविक क्षमताएं उजागर करने में विफल रहते थे। इंटरव्यू के जरिये प्रत्याशियों की तात्कालिक सोच, नैतिक निर्णय लेने की क्षमता और जटिल कानूनी या नैतिक परिदृश्यों में व्यवहार की क्षमता की जांच संभव हो सकेगी। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों द्वारा सार्वजनिक रूप से अदालत के आंतरिक कामकाज पर सवाल उठाना दर्शाता है कि सिस्टम के भीतर भी असंतोष व्याप्त था। इंटरव्यू की शुरुआत न केवल जनता के विश्वास बहाली में मदद करेगी, बल्कि यह दर्शाएगी कि न्यायपालिका सुधार की दिशा में स्वेच्छा से कदम उठा रही है। हालांकि, इंटरव्यू प्रणाली पूर्णत: दोषरहित नहीं। इसकी स्वाभाविक सीमा विषयपरकता है। यदि कोई मानकीकृत मूल्यांकन मापदंड नहीं बनाए गए, तो पैनल के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, सवाल पूछने की शैली या प्रत्याशियों की वक्तृत्व क्षमता जैसे कारक निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं।

इसका समाधान है कि सुप्रीम कोर्ट एक स्पष्ट मूल्यांकन ढांचा तैयार करे। भारत के 25 उच्च न्यायालयों में 1,100 से अधिक स्वीकृत न्यायिक पद हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में नियुक्तियां लंबित हैं। यदि प्रत्येक अनुशंसित अधिवक्ता का इंटरव्यू सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा किया जाएगा, तो इससे समय, संसाधनों और मानवीय क्षमता पर भारी दबाव पड़ेगा। वर्ष 2023 के अंत तक उच्च न्यायालयों में करीब 30 प्रतिशत पद रिक्त थे, और देश में करीब 4 करोड़ मामले लंबित थे। ऐसे में इंटरव्यू प्रक्रिया इस तरह डिज़ाइन करनी होगी कि यह नियुक्ति प्रक्रिया को और अधिक विलंबित न करे। इस नए सुधार को न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति संतुलन के निरंतर संघर्ष के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। साल 2014 में सरकार द्वारा न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का गठन किया गया था, जिसे 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक घोषित कर दिया।

अब जब न्यायपालिका स्वयं सुधार ला रही है, तो यह न केवल अपनी स्वायत्तता की रक्षा का प्रयास है, बल्कि बाहरी हस्तक्षेप की संभावना कम करने की रणनीति भी हो सकती है। भारत की उच्च न्यायपालिका में महिलाओं, अनुसूचित जाति/ जनजाति, ओबीसी और धार्मिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व आज भी न्यूनतम है। साल 2022 में उच्च न्यायालयों में महिला न्यायाधीशों की संख्या मात्र 13 प्रतिशत थी। यदि इंटरव्यू प्रक्रिया को समावेशिता की दृष्टि से अपनाया गया, तो यह हाशिये पर खड़े प्रतिभावान अधिवक्ताओं को न्यायिक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्यायिक नियुक्तियों में इंटरव्यू को शामिल करना प्रशंसनीय पहल है, जो न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और योग्यता आधारित बनाने की दिशा में अग्रसर है। यह न्यायपालिका के आत्म-सुधार की इच्छा और लोकतंत्र में उसकी नैतिक भूमिका को परिभाषित करता है। हालांकि इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कैसे लागू किया जाता है।

तरबूज से तैयार करें ये व्यंजन

गर्मी के मौसम में तेज धूप और उमस से शरीर जल्दी थकान महसूस करने लगता है। गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में तरबूज और खरबूजा बाजार में मिलने लगता है। ये इस मौसम में शरीर को काफी राहत पहुंचाने का काम करता है। तरबूज को वैसे तो ऐसे ही काटकर खाया जाता है, लेकिन आप चाहें तो इससे अलग-अलग पकवान भी बनाकर खा सकते हैं। मीठा रसदार तरबूज कई आवश्यक पोषक तत्वों और एंटी-ऑक्सीडेंट यौगिकों से युक्त होता है। इस सुपरफूड में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण के साथ-साथ विटामिन-सी होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करने और रोग पैदा करने वाले बैक्टिरिया से लड़ने में मदद कर सकता है। ऐसे में इसे डाइट में शामिल करना अच्छा है। आप भी गर्मी के मौसम में अलग-अलग तरह से तरबूज का सेवन कर करें।

गर्मियों में खाकर हो जाएंगे तरोताजा

तरबूज का रायता

चिलचिलाती गर्मी से हर कोई परेशान है। साथ ही साथ हेल्थ से जुड़ी परेशानियों का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर ऐसा होता है कि चिलचिलाती गर्मी में कुछ ठंडा, तीखा और हेल्दी खाने का मन करता है। गर्मियों के मौसम में दही के सेवन को अच्छा माना जाता है। गर्मियों के मौसम में तरबूज का रायता न खाएं, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो फ्रिज में रखे ठंडे दही का इस्तेमाल करें। दही को हल्का ब्लेंड करने के बाद उसमें थोड़ा सा नमक मिक्स करें। इसके बाद इसमें उसमें तरबूज के छोटे-छोटे टुकड़े काटकर डाल दें। अब इसमें ऊपर से भुना हुआ जीरा और सूखा हुआ पुदीना डालें। बस तरबूज का रायता तैयार है।

तरबूज स्मूदी

यदि आप स्मूदी बनाने का सोच रही हैं तो इसकी विधि जान लें। इसे बनाने के लिए आपको 2 कप कटा हुआ तरबूज, 1/2 कप दही, एक चम्मच शहद, एक चम्मच नींबू का रस और पुदीने के पत्तों की जरूरत पड़ेगी। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्सी में डालकर ब्लेंड करें और फिर इसमें आइस क्यूब डालकर ठंडा ही परोसें। इसको पीने से आपका पेट भी भर जाएगा।

तरबूज पॉपिकल्स

गर्मी में आम, तरबूज, खरबूज, लीची जैसे फल कितने भी खाओ मन नहीं भरता। अगर इनकी आइसक्रीम मिल जाए तो मजा ही आ जाता है। ऐसे में तरबूज पॉप्सिकल यानी की तरबूज की आइसक्रीम बना सकते है। इसे बनाने के लिए तरबूज के साथ साथ शहद या फिर चीनी और नींबू की रस की जरूरत और पड़ेगी। सबसे पहले तरबूज के बीज निकाल लें। फिर इन तीनों चीजों को एक साथ ब्लेंड करने के बाद मिश्रण को पॉप्सिकल मोल्ड्स में डालें और फ्रीजर में 4-5 घंटे के लिए सेट होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर पॉप्सिकल्स निकालकर आनंद लें। ये बच्चों को काफी पसंद आएगा।

मोहब्बत का शरबत

दिल्ली में मिलने वाला मोहब्बत का शरबत पीने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो दूध में चीनी घोल लें। चीनी घोलने के बाद इसमें बर्फ के टुकड़े डालें। दूध को ठंडा करने के बाद इसमें तरबूज के एकदम बारीक टुकड़ों को भी डाल लें। अब मोहब्बत का शरबत तैयार है, आसानी से इसका सेवन करें।

तरबूज का जूस

कई बार गर्मी की वजह से लो एनर्जी, डिहाइड्रेशन और चक्कर आने जैसी समस्याएं भी हो जाती हैं। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट और एनर्जेटिक बनाए रखने के लिए तरबूज का जूस एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। तरबूज में 90 प्रतिशत तक पानी होता है, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करता है। तरबूज का जूस बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए कटा हुआ तरबूज, चीनी चौथाई कप, नींबू का रस और थोड़े से पानी की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए तरबूज के टुकड़ों को ब्लेंड करके उसमें शक्कर और नींबू का रस डालें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा ठंडा पानी मिक्स करें। आखिर में दो से तीन आइस क्यूब्स भी आप इसमें डाल सकते हैं।

हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहाः मैं तंग आ गई हूँ रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पतिः ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पतिः नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बापः पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

पप्पू अपनी पत्नी सेः अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नीः 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोशी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

संता- भाई कल सर्कस देखने चलेंगे। बंता- मैं अपनी बीवी को भी लाऊंगा, संता- अगर तेरी बीवी और साली दोनों शेर के पिंजरे में गिर गयी तो किसे बचाएगा। बंता- भाई मैं तो शेर को बचाऊंगा, आखिर दुनिया में शेर बचे ही कितने हैं...

कहानी — चूहा और सूरज

एक बार की बात है एक छोटा सा लड़का था जो बर्फ से ढकी पहाड़ी पर रहता था। एक दिन वह घूमते-घूमते नीचे मैदान में आ गया लेकिन मैदान में बहुत गर्मी थी। लड़के ने एक सुंदर सा फरो का गर्म कोट पहन रखा था। जिसकी वजह सेसूरज की गर्मी के कारण उसकी ठंड भाग गयी। उसने अपना गर्म कोट उतार कर फेंक दिया किन्तु कुछ ही देर में उसका शरीर पसीने से तरबतर हो गया। उसको सूरज पर बड़ा गुस्सा आया। उसने कहा सूरज का कोई उपयोग नहीं है , इसलिए लड़के ने सोचा कि इस सूरज का कुछ किया जाना चाहिए। उसने सूरज को दंड देने का फैसला किया। वह एक तांत्रिक के पास गया और उसे एक जाल बनाने को कहा। फिर अगली सुबह वह पहाड़ी की चोटी पर गया और जैसे ही सूरज ऊपर आया उसने उसे जाल में पकड़ लिया। जिसकी वजह से उस दिन सूर्य उदय नहीं हुआ और जानवर अपने भोजन के लिए नहीं जा सके, उन्होंने देखा कि सूरज जाल में फंसा है। तब परेशान जानवरों ने चूहे को मना बुझा कर जाल काटने भेजा और उस समय चूहा बहुत बड़ा होता था। चूहे ने जाल को अपनी तेज दांतों से काट दिया और सूरज को आजाद किया। यह देखकर सभी जानवर खुश हो गए लेकिन चूहा सूरज की गर्मी के कारण बहुत छोटा हो गया। यही कारण है कि चूहा अब भी बहुत छोटा दिखाई देता है।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे की दूसरों को तकलीफ हो और उनका जीवन संकट में आ जाए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे।

तुला — शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृषभ — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा।

वृश्चिक — घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

मिथुन — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी।

धनु — आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क — किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

सिंह — घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

कुम्भ — शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या — शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

मीन — चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी परम सुंदरी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की नई फिल्म परम सुंदरी का इंतजार कर रहे फैंस के लिए खुशखबरी है। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का पहला टीजर इस वीकएंड रिलीज होने जा रहा है। फिल्म को तुषार जलोटा ने निर्देशित किया है।

परम सुंदरी का 58 सेकंड का टीजर 9 मई, 2025 को रिलीज होने वाली फिल्म भूल चूक माफ के साथ सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। भूल चूक माफ में राजकुमार राव और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। टीजर में दर्शकों को सिद्धार्थ और जाह्नवी की जोड़ी की एक प्यारी झलक देखने को मिलेगी। यह कहानी एक उत्तर भारतीय लड़के और एक दक्षिण भारतीय लड़की की है, जिनके अलग-अलग दुनिया एक दूसरे से टकराती हैं और दोनों प्यार में पड़ जाते हैं। केरल के खूबसूरत बैकवाटर की पृष्ठभूमि में फिल्माई गई इस फिल्म प्यार, हंसी और अनोखे ट्विस्ट से फिल्म के निर्माता दर्शकों का मनोरंजन करने की कोशिश करेंगे। परम सुंदरी की स्क्रिप्ट आरश वोरा और गौरव मिश्रा ने लिखी है। फिल्म का संगीत सचिन-जिगर ने तैयार किया है और गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। सनेमैटोग्राफी संतानकृष्णन ने की है। डायरेक्टर तुषार जलोटा इससे पहले ओटीटी फिल्म दसवीं बना चुके हैं। वह बर्फी और पद्मावत जैसी फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। यह उनकी पहली थियेटर रिलीज फिल्म है। परम सुंदरी 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिलहाल, फिल्म की टीम इसकी आखिरी शूटिंग में जुटी है।

बॉलीवुड मसाला

निशात केस से आहत हिना खान ने सुनाई खरी-खोटी

हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम पर कश्मीर के श्रीनगर के निशात में हुए यौन उत्पीड़न और हत्या पर पर अपनी नाराजगी जताई। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में बलात्कार और यौन उत्पीड़न के बीच अंतर को समझाया। उन्होंने इस तरह के अपराध के लिए शराब को दोषी ठहराने पर भी विचार साझा किए। हिना खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट साझा किया। उन्होंने लिखा, 'क्या कोई इन मूर्खों को यौन उत्पीड़न और बलात्कार के बीच का अंतर सिखा सकता है? बलात्कार बलात्कार है। हत्या हत्या है। यौन उत्पीड़न का विवरण अलग हो सकता है लेकिन यह बलात्कार से पहले का संकेत है। इसका मतलब केवल यह है कि अपराधी इसे नहीं कर सके ना की उन्होंने इसे नहीं किया। एक बलात्कारी खुद के अलावा बाकी सभी को दोषी ठहराता है। उस अपराधी की तरह व्यवहार न करें।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि शराब, धर्म, समुदाय, भूगोल या पोशाक के नाम पर बलात्कार, यौन उत्पीड़न को उचित ना ठहराएं। अभिनेत्री ने कहा, 'यह राक्षस हर जगह, हर समुदाय, हर धर्म में मौजूद हैं। अवसर की तलाश में हैं। शराब कई चीजों का कारण बनती है, लेकिन यह एक अच्छे आदमी को बलात्कारी नहीं बनाती! शराब को दोष देना बंद करें। अच्छे पुरुष शराब को उसी तरह संभाल सकते हैं जैसे वह एक महिला की तुलना में बेहतर शारीरिक शक्ति को संभालते हैं।

बॉलीवुड मन की बात

मुझे छोटे शहरों के किरदारों से कहीं न कहीं एक जुड़ाव है : राजकुमार राव

राजकुमार राव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूल चूक माफ' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उनकी यह फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस बीच अभिनेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि फिल्मों में वे जो किरदार निभाते हैं, चाहे वह आम आदमी हो या छोटे शहर का कोई व्यक्ति, वह उनके लिए स्वाभाविक हैं, क्योंकि उन्होंने वह जीवन जिया है। राजकुमार राव ने अपने 15 साल के करियर में 'काई पो चे', 'सिटीलाइट्स', 'बरेली की बर्फी', 'न्यूटन' और 'स्त्री' जैसी फिल्मों में छोटे शहर और आम लोगों के किरदारों को निभाया है। अभिनेता ने कहा, 'मैंने यह जीवन जिया है, मैंने इस तरह के किरदारों को करीब से देखा है। चूंकि मैंने वह जीवन जिया है, इसलिए इन किरदारों से कहीं न कहीं एक जुड़ाव है।' राजकुमार राव और वामिका गब्बी 'भूल चूक माफ' में एक साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। इस फिल्म में राजकुमार राव रंजन की भूमिका में हैं, जो अपनी गर्लफ्रेंड तितली (वामिका गब्बी) के साथ शादी के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। फिल्म को लेकर राजकुमार राव ने कहा, 'कॉमेडी कला का एक बहुत ही खास रूप है। यह आसान नहीं है, लेकिन करण का शुक्रिया, उन्होंने इतनी अच्छी कहानी लिखी। निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया, उन्होंने इसे इतने अच्छे तरीके से पेश किया और अब यह पूरी तरह से आपकी है।'अभिनेत्री वामिका गब्बी ने इस फिल्म में तितली का किरदार निभाया है। अपने किरदार को लेकर कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि लोगों ने मेरे द्वारा निभाए गए सभी किरदारों को पसंद किया है। जब मैंने उन्हें पढ़ा, तो मैंने उनसे जुड़ाव महसूस किया। इसलिए, मुझे लगता है कि मेरे दर्शक भी उनसे जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं बहुत आभारी हूं कि 'भूल चूक माफ मेरे पास आई। मुझे तितली का किरदार निभाने में मजा आया। यह बहुत मजेदार था। मुझे लगता है कि कई लड़कियां उससे जुड़ाव महसूस करेंगी।' करण शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म भूल चूक माफ 09 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के अलावा सीमा पाहवा अहम किरदार में निभाएंगे। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है।

ये लड़की अपने पैर के नाखूनों को बेचकर कमाती है पैसे, एक बार में कमा लेती है 42 हजार रुपये

आजकल पैसे कमाना कोई बड़ी बात नहीं है, बस आपको कमाने के तरीकों के बारे में पता होना चाहिए। बहुत से लोग जीवनभर घिसते रहते हैं, मेहनत करते हैं, तब जाकर वो इतने रुपये कमा पाते हैं कि आराम की जिंदगी जी सकते हैं। मगर कुछ लोग पैसे कमाने के ऐसे तरीके खोज निकालते हैं कि कम मेहनत में उन्हें ज्यादा फायदा हो जाता है। ऐसा ही एक लड़की ने भी किया। ये लड़की अपने पैर के नाखूनों को बेचकर पैसे कमाती है। एक बार में इसने 42 हजार रुपये तक कमा लिए और चौंकाने वाली बात ये है कि उसके खरीदार किसी के पिता होते हैं, यानी बाप की उम्र के लोग रहते हैं। इंस्टाग्राम यूजर विवियन के अकाउंट को यूं तो 5 हजार लोग ही फॉलो करते हैं, मगर उनकी रील्स खूब वायरल होती हैं। कारण है उनका अजीबोगरीब बिजनेस आइडिया। वो अपने रील्स में अपने बिजनेस आइडिया के बारे में बताती हैं। दरअसल, विवियन अपने पैर के नाखून काटकर लोगों को बेचती हैं। उनके नाखूनों को करीब 500 डॉलर (42 हजार रुपये) तक में खरीदा जाता है। एक वायरल वीडियो में उन्होंने दिखाया कि वो कैसे पैर के नाखून नेल कटर से काटती हैं, फिर उसे एक पैकेट में भरती हैं और फिर फीट फाइंडर नाम की एक वेबसाइट पर बेच देती हैं। इस वीडियो पर उन्होंने लिखकर बताया कि किसी के पिता ने उनके नाखूनों को 500 डॉलर में खरीद लिया। जब आप उनके अकाउंट पर दूसरे वीडियोज देखेंगे, तब आपको और भी ज्यादा हैरानी होगी। वो इसलिए क्योंकि वो पैरों से जुड़े अजीबोगरीब बिजनेस कर के पैसे कमा रही हैं। वो सिर्फ अपने पैरों की फोटो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर के पैसे कमाती हैं, इसके अलावा कुछ लोग उनसे उनके इस्तेमाल किए हुए फुट मास्क मांगते हैं। कुछ लोग मोजे पहनी हुई फोटो मांगते हैं। लड़की के वायरल हो रहे वीडियो को 2 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि ऐसा नहीं करना चाहिए, लोग नाखूनों से काला जादू कर लेते हैं। एक ने कहा कि उस अंजान आदमी के पास लड़की का डीएनए होगा। एक ने कहा कि आखिर कटे हुए नाखून लेना किसे पसंद होगा!

अजब-गजब | किशनगंगा और नीलम नदी के बीच नहीं है कोई फेंसिंग

भारत-पाकिस्तान वो बॉर्डर, जहां नदी के पार से बातें कर लेते हैं दोनों मुल्कों के लोग

भारत और पाकिस्तान एक ही ज़मीन के दो टुकड़े हैं। हालांकि पाकिस्तान के आतंकी गतिविधियों में लिप्त रहने की वजह से दोनों देशों के बीच तनाव बना रहता है। हाल ही में पहलगाम में हुए हमले के बाद से ही भारत-पाकिस्तान के बीच टेंशन कुछ ज्यादा ही बढ़ गई। इसका जवाब भी भारत ने आतंकी ठिकानों को तबाह करके दे दिया। भारत में ज्यादा आतंकियों की एंट्री पीओके के सीमाई इलाकों से होती है। हालांकि PoK का एक इलाका ऐसा भी है, जहां कोई फेंसिंग नहीं लगाई गई है।

यूं तो भारत और पाकिस्तान बॉर्डर पर तनाव हमेशा ही बना रहता है लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि PoK का एक इलाका ऐसा भी है, जहां दोनों मुल्कों के बीच कोई कंटीली बाड़ तक नहीं है। यहां दोनों मुल्कों के लोग एक-दूसरे से बातें कर सकते हैं। उनके नाम पूछते हैं, एक-दूसरे को ग्रीट करते हैं और फिर टाटा-बाय-बाय करके चले जाते हैं।

पाकिस्तान और भारत की सीमा पर एक ऐसी जगह है, जहां दोनों देशों के लोग घूमने आते हैं। ये जगह है किशनगंगा नदी के किनारे,

जिसे भारत में इस नाम से तो पाकिस्तान में नीलम नदी के नाम से जाना जाता है। ये झेलम नदी की एक उपनदी है, इसके प्रवाह मार्ग का कुछ हिस्सा पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में है। सोनमर्ग शहर के पास ये नदी कृशनगर झील से शुरू होती है। बदोआब गांव के पास द्रास से आने वाली एक उपनदी इसमें मिल जाती है। कुछ दूर तक नियंत्रण रेखा के साथ-साथ चलकर ये गुरेज के पास क्षेत्र के गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके में दाखिल हो जाती है। इसके कुल 245 किलोमीटर के मार्ग में से 50 किलोमीटर भारतीय नियंत्रण वाले इलाके में आता है। सोशल मीडिया पर इससे जुड़े कई वीडियो भी वायरल होते रहते हैं, जिसमें लोग इस पार से उस पास खड़े लोगों से बात कर लेते हैं। किशनगंगा और नीलम नदी के बीच कोई फेंसिंग नहीं है, ऐसे में इस किनारे से जब लोग आवाज देते हैं, तो दूसरे छोर पर खड़े लोग इसका जवाब भी देते हैं। एक दूसरे को हाथ हिलाकर ग्रीट भी करते हैं और बाय भी करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की जगह दूसरा नाम रखते : उदित राज

» कांग्रेस नेता बोले- सेना ने पाकिस्तान को सही सबक सिखाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के नेता उदित राज ने भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर सफल एयर स्ट्राइक के बाद से जारी तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पाक पीएम शहबाज शरीफ ने अपने संसद में कहा कि पाक सेना ने भारत के तीन राफेल जेट मार गिराए, उनके इस बयान से साफ है कि पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई से सबक लेने को तैयार नहीं है। कांग्रेस नेता ने भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों को निशाना बनाकर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पूछे जाने पर कहा, बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि सिंदूर एक खास धर्म से जुड़ा है, अगर कोई दूसरा नाम चुना जाता तो बेहतर होता।

पाकिस्तान सबक सीखने को तैयार नहीं

हालांकि, यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है। भारतीय सेना ने यह हमला 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए किया गया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। फिलहाल, भारतीय सेना की कार्रवाई का असर यह हुआ कि दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ज्यादा बढ़ गया है। उदित राज ने आगे कहा, भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम। 9 स्थान पर बमबारी के बावजूद पाकिस्तान ने सबक नहीं सीखा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वहां की संसद में कहा भारत के पाकिस्तानी सेना ने भारत के तीन राफेल जेट मार गिराए. जम्मू कश्मीर के पूंछ में गुरुद्वारा पर हमला किया और 15 लोग मारे गए, यानी अब लाहौर पर चढ़ाई करना ही होगा।

कांग्रेस के दबाव में हुआ ऑपरेशन सिंदूर : इरफान

ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफ़ान अंसारी ने कहा, हमारे जांबाज भारतीय सेना के सैनिकों द्वारा पाकिस्तान के कारनामे का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। पहलगाम हमले के बाद कांग्रेस लागतार केंद्र सरकार पर पाकिस्तान पर कारवाई के लिए दबाव बना रही थी। उसके बाद पीएम मोदी ने भारतीय सेना को फ्री हैंड किया, जिसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया।

खून से लाल है सिंदूरः शशि थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अपने तरीके से राय रखी है। थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम से लेकर इसकी जरूरत को लेकर भी अलग तरीके से टिप्पणी की है।शशि थरूर ने ट्वीट में लिखा, चतुराईपूर्ण, सरकार की रुचि को देखते हुए खासकर रचनात्मक संक्षिप्ताक्षरों के लिए ! उन्होंने आगे कहा, लेकिन मजाक से इतर, ऑपरेशन सिंदूर एक शानदार नाम है। थरूर ने कहा कि यह हमारी राष्ट्रीय चेतना में बसी एक नई-नवेली विधवा की छवि को उजागर करता है, जो पहलगाम में अपने पति के बगल में घुटनों के बल बैठी और रो रही है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था। उन्होंने कहा, तथ्य यह है कि सिंदूर खून से लाल है, यह भी एक संदेश देता है। जिसने भी इसके बारे में सोचा, उसे शाबाश! दरअसल, थरूर ने एक सीनियर जर्नलिस्ट और लेखक के ट्वीट पर अपना रिएक्शन दिया था।

देश सेवा की बात कह फंस गए तेज प्रताप यादव!

» मांझी की बहू बोलीं- हवा बना रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव देश सेवा की बात कहकर विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं। बीते बुधवार को उन्होंने एक्स पोस्ट के जरिए यह कहा कि पायलट की ट्रेनिंग अगर देश के काम आ सकती है तो वह हर समय देश की सेवा के लिए तत्पर हैं। उन्होंने पायलट की ट्रेनिंग ले रखी है। इसके साथ उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें उनका लाइसेंस भी है। इस पर अब जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी ने तंज कसा है। दीपा मांझी ने गुरुवार (08 मई, 2025) को एक्स पर पोस्ट करते हुए मगही भाषा में लिखा, भैया, सब तो ठीके हो जे हवा बनावित है। लेकिन जौन लाइसेन्सवा पर जहजवा उड़ाने की बात कर रहे हैं आप उ तो 2021 तक वैलिड है।

पहले ओकर रिन्युअलवा तो करा देते। ओकरा बाद न देखल जइतो, वैसे एगो बात बतइयो लागित हो फिर तोरा ठग देलको कोय, ई जहाज उड़ाव के लाइसेंस के नाम पर रेडियो लाइसेंस दे देलको ह जे केवल ग्राउंड क्लीयरेंस कराव हैऽ उड़ाव न है भैया जी।

लालू के लाल के लिए कुछ भी संभव : दीपा मांझी

दूसरी ओर दीपा मांझी ने एक और बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद के बड़े लाल तेज प्रताप कमाल के हैं, इनवैलिड उड़ान रेडियो टेलीफोन प्रचालक के लाइसेंस पर उड़ान भरने का दम भर रहे हैं. लालू के लाल के लिए कुछ भी संभव है। जिस लाइसेंस की तस्वीर तेज प्रताप ने शेयर की है उसको लेकर दीपा मांझी ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय से 26 अप्रैल, 2011 में 10 वर्षों के लिए उड़ान रेडियो टेलीफोन प्रचालक का लाइसेंस निर्गत किया गया था। यह लाइसेंस चार साल पहले 25 अप्रैल, 2021 के बाद इनवैलिड हो चुका है।

न आतंक रहे, न अलगाववादः तेजस्वी

» ऑपरेशन सिंदूर पर लालू यादव बोले- जय हिंद की सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के बाद आरजेडी चीफ लालू यादव ने एक्स पर लिखा जय हिंद! जय हिंद की सेना! वहीं तेजस्वी यादव ने लिखा जय हिंद! जय भारत! न आतंक रहे, न अलगाववाद रहे! हमें अपने वीर जवानों और भारतीय सेना पर गर्व है। पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में भारतीय सेना की स्ट्राइक पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सत्यमेव जयते! जय हिंद की सेना। भारतीय सेना के एक्शन के बाद रक्षा मंत्रालय ने साफ किया कि पाकिस्तान की सेना को निशाना नहीं बनाया गया है।

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के दो हफ्ते बीत जाने के बाद सेना ने आतंकियों को सबक सिखाया है। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा, जब पहलगाम हमला हुआ, उसी दिन तय हो गया था कि अब पाकिस्तान के आतंकवादियों को छोड़ा नहीं जाएगा. आज भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में छिपे 9 आतंकियों के ठिकानों पर करारा प्रहार किया गया है. यह है 56 इंच के सीने का जवाब! *जय भारत! जय हिंद!*

हमें सेना और जवानों पर गर्व हैः केजरीवाल

» ऑपरेशन सिंदूर पर बोले आप संयोजक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के 15वें दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत ने मंगलवार आधी रात के बाद एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सेना ने जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैय्यबा, हिजबुल, मसूद अजहर और हाफिज सईद के ठिकानों को निशाना बनाया गया। भाजपा के अलावा और भी पार्टियां भी ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ कर रही हैं। इस पर अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

अरविंद केजरीवाल ने सेना की तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं-आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। जय हिंद, जय भारत। हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ़ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं-आतंकवाद के खिलाफ़ एकजुट हैं।

जय हिंद, जय भारत।

पाकिस्तान और पीओके के अंदर मिसाइलों से हमला

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके के अंदर मिसाइलों से हमला किया। हमले सुनियोजित थे। कुल नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसमें यह ध्यान रखा गया कि पाकिस्तान का कोई सैन्य ठिकाना इसकी जद में न आए। भारत ने इस मामले में संयम बरता और सिर्फ आतंकी ढांचों को निशाना बनाया।

“ गर्व है भारत पर : शाहनवाज

बिहार के पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा, जय हिंद! जय हिंद की सेना! गर्व है भारत पर!

रोहित का संन्यास : अब कौन होगा कप्तान?

» टेस्ट टीम की कप्तानी के लिए गिल पहली पसंद बुमराह भी रेस में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। स्टार बल्लेबाज ने अगले महीने 20 जून से शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे से पहले इसकी घोषणा की। इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में भारत के अभियान की शुरुआत भी होगी। अब रोहित के संन्यास के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि टीम का नया टेस्ट कप्तान कौन होगा? इसके लिए दो दावेदार बताए जा रहे हैं।

वहीं, रोहित की जगह प्लेइंग-11 में किस खिलाड़ी को शामिल किया जाएगा, इसको लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रोहित बतौर ओपनर टेस्ट में बल्लेबाजी कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो टेस्ट में कप्तानी के लिए फिलहाल बीसीसीआई और चयनकर्ताओं की पहली पंसद शुभमन गिल माने जा रहे हैं। 25 साल के इस बल्लेबाज को भारत का भविष्य का कप्तान माना जा रहा है। वनडे में तो शुभमन को उपकप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई है। इसके पीछे की दूसरी वजह कोच गौतम गंभीर भी हैं। वह डबल्यूटीसी के नए चक्र की शुरुआत के साथ किसी युवा को कप्तानी करते देखना चाहते हैं ताकि भविष्य के लिए एक टीम बनाई जा सके। वहीं भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए दूसरी पसंद जसप्रीत बुमराह हैं। बुमराह की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहला टेस्ट जीता था। बुमराह मौजूदा समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और एक तेज गेंदबाज होने की वजह से उनका अटैकिंग माइंडसेट है। कप्तानी करते हुए भी वह यही संदेश टीम को भी देते हैं और फ्रंट से लीड करते हैं। वहीं, रोहित के रिप्लेस खिलाड़ी के तौर पर श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और साई सुदर्शन पर चर्चा चल रही है।

चेन्नई ने दिया केकेआर की उम्मीदों को झटका

कोलकाता। चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को दो विकेट से हरा दिया। बुधवार को ईडेन गार्डंस में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता केकेआर ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 179 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके ने 19.4 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 183 रन बनाए और सत्र की तीसरी जीत दर्ज की। इस शिकस्त ने केकेआर की प्लेऑफ की उम्मीदों को झटका दिया है। अजिंक्य रहाणे की टीम 12 मैचों में छह जीत और पांच हार के साथ छठे पायदान पर है।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा कायर पाक

एलओसी पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बना रहा, अब तक 13 की मौत, 59 घायल

» मृतकों में ज्यादातर पर्यटक बताये जा रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघन में 13 नागरिक मारे गए हैं और 59 अन्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच इस बात की जानकारी दी है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

बुधवार को भावनाएं और बढ़ गईं, जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में नौ जगहों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक कार्रवाई की। अपनी संपत्ति को नुकसान पहुंचा चुके एक नागरिक ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा (पाकिस्तान के खिलाफ) की गई कार्रवाई बहुत अच्छी है। हम सरकार से मदद की गुहार लगाते हैं, क्योंकि मेरे बेटे का घर क्षतिग्रस्त हो गया है। एक ग्रामीण ने बताया कि ये प्लॉट हमें सरकार ने आवंटित किए थे। जब भी गोलीबारी होती है और सरकार हमें सचेत करती है, हम इन जगहों पर लौट आते हैं। हमें अभी से सचेत कर दिया गया है, और अगर गोलीबारी बंद हो जाती है, तो हम वापस चले जाएंगे। यहां दो-तीन परिवार एक साथ रहते हैं।

भारत का एक जवान शहीद

पाकिस्तानी सेना की भारी गोलाबारी में भारत का एक जवान शहीद हो गया है। गोलीबारी में भारतीय सेना के जवान के शहीद होने की पुष्टि भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने की है। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर यूनिट ने एक्स लिखा, 5 फील्ड रेजिमेंट के लांस नायक दिनेश कुमार ने 7 मई को पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी के दौरान में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जीओसी और व्हाइट नाइट कोर के सभी रैंक 5 एफडी रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल दिनेश कुमार के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं।

सुबह से ही जारी है गोलाबारी

सीमा पर रहने वाले एक नागरिक ने कहा कि आज सुबह करीब 3 बजे जब हमने गोलाबारी की आवाजें सुनीं तो हम बाहर आ गए। अब यहां सिर्फ धुआं और नुकसान है... हम शांति चाहते हैं। एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि सात और आठ मई की रात के दौरान पाकिस्तानी सैन्य चौकियों ने बिना किसी उकसावे के जम्मू कश्मीर में एलओसी के पास के क्षेत्रों कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर में छोटे एवं बड़े हथियारों से गोलीबारी की।

दोनों देशों के बीच 25 फरवरी, 2021 को हुआ था संघर्षविराम समझौता

दोनों देशों के बीच 25 फरवरी, 2021 को संघर्षविराम समझौते के नवीनीकरण के बाद यह पहली बार है कि इतनी भारी गोलाबारी देखी गई है। वहीं सबसे अधिक प्रभावित पुंछ जिले और राजौरी तथा उत्तरी कश्मीर के बारामूला और कुपवाड़ा में सीमावर्ती निवासियों में दहशत उत्पन्न हो गई। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है, जिसके परिणामस्वरूप दुश्मन पक्ष के कई लोग हताहत हुए हैं, क्योंकि गोलीबारी में शामिल उनकी कई चौकियां नष्ट कर दी गई हैं।

कैंटर में घुसी पुलिस वैन

एक दरोगा-तीन कांस्टेबल और एक कैदी की मौत, एक पुलिसकर्मी घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना लोधा क्षेत्र के बाईपास हाईवे के चिकावटी मोड़ पर फिरोजाबाद से मुजफ्फरनगर मुलजिम लेकर जा रही पुलिस की वैन आज सुबह 8.15 बजे खड़े कैंटर से टकरा गई। हादसे में एक दरोगा, तीन पुलिसकर्मी सहित पांच की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। एक पुलिसकर्मी घायल है। सूचना पर पुलिस अधिकारी, फोर्स व क्रेन के साथ पहुंचे। पुलिस ने घायल सिपाही को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। शवों को पोस्टमार्टम को भेजने के साथ पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि पीछे जा रही बस के चालक ने ओवरटेक किया तो आगे निकालते समय हाईवे पर खड़े कैंटर में पुलिस वैन घुस गई। जिससे इतना बड़ा हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शी दुर्गा पाल ने बताया कि वह अपने खेत में चारा काट रहा था। इसी दौरान जोरदार धमाके की आवाज हुई। उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो पुलिस की गाड़ी खड़े कैंटर में घुस गई थी। जिसमें सवार पांच पुलिसकर्मी व एक मुलजिम गंभीर रूप से घायल हो गए। मुलजिम और एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि जनपद फिरोजाबाद से पुलिसकर्मी सरकारी पुलिस वाहन द्वारा मुजफ्फरनगर निवासी गैंगस्टर के मुलजिम गुलशनवर को पेशी के लिए मुजफ्फरनगर ले जा रहे थे। पुलिस वैन चिकावटी मोड़ पर खड़े कैंटर से टकरा गई। जिसमें एसआई रामसंजीवन, कांस्टेबल बलवीर, रघुवीर ,चालक सिपाही चंद्रपाल व मुलजिम गुल सनुव्वर की मौके पर मौत हो गयी। वहीं घायल सिपाही शेरपाल सिंह को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस 5 शवों को पोस्टमार्टम को भेजने के साथ अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

अलीगढ़ में बड़ा हादसा

हादसे में इनकी हुई मौत

- रामसंजीवन निवासी चतेला कंदोरा जालौन (दरोगा)
- चन्द्रपाल निवासी मानगढ़ी मथुरा (चालक सिपाही)
- बलवीर निवासी बीरा छोटा हाथरस सासनी (सिपाही)
- रघुवीर निवासी कूपा सादाबाद हाथरस (सिपाही)
- गुल सनुव्वर सीकरी भोपा मुजफ्फरनगर (बंदी)

दिल्ली-यूपी-राजस्थान की सरकारों को 'सुप्रीम फटकार'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को फटकार लगाई है। यह फटकार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डस में रिक्तियों को लेकर लगाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 55 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रिक्तियों की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काम नहीं कर पा रहे हैं और लगभग खत्म होने के कगार पर हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने राजधानी दिल्ली और इससे लगते राज्यों यूपी, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी किया है। नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने उसके अगस्त 2024 के निर्देशों का पालन न करने की बात कही है। जिसमें अदालत ने इस साल 30 अप्रैल तक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स में रिक्तियां भरने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि अधिकारियों को उसके निर्देशों का पालन न करने के लिए दंडित क्यों न किया जाए। साथ ही दिल्ली के मुख्य सचिव को 19 मई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है।

उत्तरकाशी में हेलिकॉप्टर क्रैश, छह यात्रियों की मौत

» केदारनाथ हेली सेवा भी रोकी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उत्तराकाशी। उत्तराकाशी जिले में आज सुबह एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में छह लोगों के मौत हो गई है। पुलिस-प्रशासन के साथ ही आपदा प्रबंधन की टीम मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचते ही टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस हादसे के बाद तीनों हेलिपैड गुप्तकाशी, सिरसी और फाटा से केदारनाथ हेली सेवा रोक दी गई है।

गुरुवार सुबह करीब पौने नौ बजे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी के पास एक हेलिकॉप्टर क्रैश होने की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ, फायर, मेडिकल व अन्य आपदा राहत दल मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हेलिकॉप्टर एयरोट्रांस कंपनी का था, जिसने आज सुबह सहस्त्रधारा हेलीपैड से हर्षिल के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर में पायलट सहित सात लोग सवार थे, जिनमें छह यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक यात्री घायल हैं। सवार चार यात्री मुंबई और दो आंध्रप्रदेश के बताए जा रहे हैं। हेलिकॉप्टर हादसे को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हताहत होने का अत्यंत दु:खद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर हादसे में दिवंगत हुए लोगों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रशासन को घायलों को हर संभव सहायता पहुंचाने एवं हादसे की जांच के निर्देश दिए हैं। कहा कि इस संबंध में लगातार अधिकारियों के संपर्क में हूं और हर स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

20 जिलों में बरसात के साथ बिजली गिरने का अलर्ट

» लखनऊ में सुबह से हल्की बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है। लखनऊ में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। लखनऊ के साथ अवध के कुछ अन्य जिलों में भी मौसम से करवट ली है। हालांकि मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान जारी किया है।

उत्तर प्रदेश में तेज हवाओं और बूंदाबांदी का दायरा सिमटने के बाद अब धूप और गर्म हवाओं ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में लोगों को अब मई की तीखी गर्मी के लिए कमर कसना होगा। मौसम विभाग का कहना है कि अब पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने से उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को छोड़कर बाकी जगहों पर आने वाले कुछ

दिनों तक मौसम शुष्क रहने वाला है। इसके साथ ही धीरे-धीरे पारे में बढ़ोत्तरी देखने को मिलेगी।बीते कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश में चल रही झोंकेदार हवाओं और छिटपुट बूंदाबांदी से भीषण गर्मी से राहत मिली थी।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को प्रदेश के तराई और पश्चिमी हिस्सों समेत 20 जिलों में गरज चमक की संभावना जताई है।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और वेदर सिस्टम का असर अब सिमट गया है। तराई और कुछ पश्चिमी जिलों को छोड़कर बाकी हिस्सा अगले कुछ दिनों तक शुष्क रहने वाला है। इस दौरान तापमान का बढ़ना जारी रहेगा। अगले 4 से 5 दिनों में अधिकतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की उछाल आने की संभावना है। राजधानी लखनऊ में भी बुधवार को धूप और उमस भरी गर्मी अपने पूरे रंग में दिखी। पूर्वा हवाओं की रफ्तार घट कर 15 से 20 किमी प्रति घंटे तक आ पहुंची।, भदोही, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मथुरा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद व आसपास के इलाकों में ।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।